BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (03.03.2025)

HINDUSTAN
MUZAFFARPUR
DATE:03.03.2025
PAGE-05

पीजी की दूसरी मेधा सूची आज होगी जारी

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विवि में पीजी में दाखिले के लिए सोमवार को दूसरी मेधा सूची जारी की जाएगी। विवि प्रशासन ने इसकी तैयारी कर ली है।

पहली मेधा सूची के आधार पर पीजी में 6600 छात्रों का दाखिला हुआ था। पहली सूची में 10 हजार 885 छात्रों के नाम जारी किए गए थे। पीजी में 11 हजार सीटों पर दाखिला लिया जाना है। दूसरी मेधा सूची में चार से पांच हजार छात्रों के नाम जारी होने की उम्मीद है। कटऑफ के अनुसार मेधा सूची तैयार की जाएगी। पांच मार्च तक दाखिले का समय दिया जा सकता है। दूसरी मेधा सूची के आधार पर कब तक दाखिला छात्र ले सकते हैं इसकी आधिकारिक सूचना विवि प्रशासन ने जारी नहीं की है। पहली सूची में सबसे अधिक दाखिला कॉमर्स विषय में 878 छात्रों ने लिया।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 03.03.2025, PAGE-04

पीजी में प्रथम और थर्ड सेमेस्टर के नामांकन में लगेगा विकास शुल्क

विद्यार्थियों को देना होगा 300 रुपये अतिरिक्त

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

पीजी कोर्स में प्रथम और थर्ड सेमेस्टर के नामांकन में विद्यार्थियों को 300 रुपये देना होगा. इसके बाद अन्य किसी सेमेस्टर में शुल्क देय नहीं होगा. इसे पीजी कोर्सों में चल रही नामांकन प्रक्रिया में लागू किये जाने पर सहमति बनी है. पिछले दिनों शुल्क संरचना समेत अन्य मुद्दों को लेकर हुई नामांकन समिति की बैठक में कुलपति की ओर से सभी पीजी विभागों के लिए यह निर्देश जारी किया गया था. इसी में एक समान शुल्क संरचना से लेकर डेवलपमेंट शुल्क में भी एकरूपता स्थापित किये जाने का निर्देश दिया गया था. पीजी विभागों में चल रही नामांकन प्रक्रिया में कई तरह के शुल्क लिए जाने की शिकायत पिछले दिनों विश्वविद्यालय में की गयी है.

इसी को लेकर यह फैसला लिया गया है. ऐसे में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी कोर्स में केवल फर्स्ट और थर्ड सेमेस्टर में ही विद्यार्थियों से डेवलपमेंट शुल्क लिया जायेगा. सभी पीजी विभाग दो वर्ष के दौरान केवल दो बार ही विकास शुल्क ले सकेंगे. बता दें कि इसको लेकर हाल के दिनों में अलग-अलग कॉलेजों से लगातार छात्र शिकायत लेकर विश्वविद्यालय पहुंच रहे थे.